भारतीय गैर न्यायिक

दस रुपये रु.10

भारत

सत्यमेव जयते

INDIA

TEN RUPEES Rs.10

INDIA NON JUDICIAL

UTTAR PRADESH

00AC 52729

यह स्टाम्प [illegible]

5010 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते
भारत

पांच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

22 AUG 2003

हम श्रीमती रीता बग्गा पत्नी स्व0 राजीव रतन उर्फ राजेश बग्गा व रतन बग्गा पुत्र स्व0 राजीव रतन बग्गा उर्फ राजेश बग्गा नि0 40, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग शहर इलाहाबाद ।

.....प्रथमपक्ष विक्रेतागण
अनुसूचित जाति के नहीं है ।

एवं

मुकेश चन्द्र जायसवाल पुत्र श्री राम चन्द्र जायसवाल नि0 958, मुट्ठीगंज शहर इलाहाबाद ।

.....द्वितीयपक्ष क्रेता/
अनुसूचित जाति के नहीं है ।

2710

क्रमशः पेज....2/-

क्रमांक .... तारीख ....

नाम ....

निवास स्थान ....

शशी बाला स्टाम्प विक्रेता

ला० नं० ५२४ चौरासी खम्भा कचेहरी इला०

शशी बाला

ला० नं० ५२४

चौ० ख० कचेहरी

इलाहाबाद

5000 निबन्धन शुल्क ... 50 ... 5050 योग ... 1000 शब्द लगभग

Rita Bagga

उप निबन्धक

(इलाहाबाद)

Rita Bagga

उप निबन्धक

(इलाहाबाद)

Rita Bagga

378 5000Rs

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पांच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

22 AUG 2003

(मुकेश चंद्र जायसवाल)

Identified

[02]

जो कि प्रथमपक्ष विक्रेतागण वलमूल श्रीमती रीतू बग्गा आदि के आराजी भूमिधरी संख्या 15 रकबा तादादी 2 बीघा 9 बिस्वा 15 धूर वाके मौजा धनुआ, परगना अरैल, त0 करछना जिला इलाहाबाद के मुश्तरका मालिक व काबिज है जिसमें किसी और का कोई भी हक व हिस्सा नहीं है। प्रथमपक्ष विक्रेतागण एवं दीपक बग्गा व श्रीमती रीतू बग्गा ने आपसी बंटवारा द्वारा उपरोक्त आराजी का मौके पर बंटवारा कर लिया, जिसकी कि याददाश्त दरमियान प्रथमपक्ष विक्रेतागण एवं दीपक बग्गा ने दि0 5·8·2003 को तहरीर व तकमील किया, जिससे कि भविष्य में दरमियान प्रथमपक्ष विक्रेतागण व दीपक बग्गा के बीच कोई भी झगड़ा न होवे। उक्त बाहमी बंटवारा द्वारा श्रीमती रीता बग्गा

क्रमशः पेज···3/-

5000RS.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पांच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

22 AUG 2003

(.03)

पत्नी श्री राजीव रतन उर्फ राजेश बग्गा व तरून बग्गा पुत्र श्री राजीव रतन उर्फ राजेश बग्गा प्रथमपक्ष विक्रेतागण उपरोक्त आराजी के अंश भाग यानी 1/2 भाग जानिब दक्षिण के मालिक व काबिज है। आ रहे है, इसी तरह पर दीपक बग्गा आदि उपरोक्त आराजी के अंश भाग यानी 1/2 भाग जानिब उत्तर के मालिक व काबिज बाहमी बंटवारा के तारीख से है और को आ रहे है। हर पक्ष को अपने-अपने हिस्से में आई हुई जायदाद के संबंध में हर प्रकार के अधिकार मालिकाना व हस्तान्तरण के हासिल है। प्रथमपक्ष विक्रेतागण श्रीमती रीता बग्गा पत्नी स्व० राजीव रतन उर्फ राजेश बग्गा व तरून बग्गा पुत्र स्व० राजीव रतन बग्गा उर्फ राजेश बग्गा को जरूरत रुपये की वास्ते तरक्की कारोबार अपने के है जो

क्रमशः पेज...4

2710

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते
भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

13 AUG 2007

बगैर बेचे अपने 1/2 भाग उपरोक्त जायदाद जानिब दक्खिन जिससे कि उनको कोई भी फायदा नहीं हो रहा है के कोई दूसरी सूरत रुपया प्राप्त करने की नहीं दिखाई दे रही है, इस कारण उन्होंने आपस में सलाह व मशविरा करके अपना फायदा देखते हुये अपने अंशभाग यानी 1/2 भाग आराजी भूमिधारी नं0 15 स्थित मौजा धनुहा प0 अरैल त0 करछना जिला इलाहाबाद तादादी । बीघा 4-1/2 बि0 7-1/2 धूर जानिब दक्खिन को बेचकर अपनी जरुरत को पूरा करने की सोची ।

प्रथमपक्ष ने अपनी जायदाद उपरोक्त के बेचने की बात कई लोगों से की, कई खरीदार उपरोक्त जायदाद को खरीदने की गरज से भी आये,

क्रमशः पेज....5/

क्रम संख्या ---- 2710

तैयार कर्ता लिपिक----

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

13 AUG 2007

बगैर बेचे अपने 1/2 भाग उपरोक्त जायदाद जानिब दक्खिन जिससे कि उनको कोई भी फायदा नहीं हो रहा है के कोई दूसरी सूरत रुपया प्राप्त करने की नहीं दिखाई दे रही है, इस कारण उन्होंने आपस में सलाह व मशविरा करके अपना फायदा देखते हुये अपने कोभाग यानी 1/2 भाग आराजी भूमिधारी नं० 15 स्थित मौजा धनुहा प० अरेल त० करछना जिला इलाहाबाद तादादी 1 बीघा 4-1/2 बि० 7-1/2 धुर जानिब दक्खिन को बेचकर अपनी जरूरत को पूरा करने की सोची ।

प्रथमपक्ष ने अपनी जायदाद उपरोक्त के बेचने की बात कई लोगों से की, कई खरीदार उपरोक्त जायदाद को खरीदने की गरज से भी आये,

क्रमशः पेज····5

क्रम संख्या —— 8710

टिकट वाही लिपिक——

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रू.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

(06)

दिया गया है जो कि सीलिंग में नहीं आती है और सीलिंग सीमा से कम है को बइवज मु0 4,50,000/- (चार लाख पचास हजार) रुपया कि जिसका आधा मु0 2,25,000/- (दो लाख पच्चीस हजार) रुपया होता है के बदले में बहक व बनाम श्री मुकेश चन्द्र जायसवाल पुत्र श्री राम चन्द्र जायसवाल नि0 958 मुट्ठीगंज शहर इलाहाबाद द्वितीयपक्ष क्रेता बेचा व बय कामिल किया, और कुल कीमत जायदाद विक्रीत को प्रथमपक्ष विक्रेतागण ने द्वितीयपक्ष क्रेता से नीचे लिखे ब्योरे के अनुसार प्राप्त कर लिया है, जिसका कि पाना हमको कबूल व मन्जूर भी है, और अलग से किसी रसीद के देने की भी जरुरत नहीं है।

हम श्रीमती रीता बग्गा व तरुन बग्गा प्रथमपक्ष विक्रेतागण ने आज की तारीख में जायदाद विक्रीत पर से अपना कब्जा व दखल हटा

बही संख्या 2710

क्रमश: पेज....7/

5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५०००रु.

Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

13 AUG 2007

{ 07 }

कर जायदाद विक्रीत पर द्वितीयपक्ष क्रेता को मालिकाना काबिज व दखील करा दिया है, अब कोई हक व हिस्सा हम श्रीमती रीता बग्गा व राहुल बग्गा प्रथमपक्ष विक्रेतागण का आज की तारीख से जायदाद विक्रीत में बाकी नहीं रह गया है । आज की तारीख से जायदाद विक्रीत के तनहा मालिक व काबिज द्वितीयपक्ष क्रेता हो गये है, उनको हक हासिल है कि वह जायदाद विक्रीत को जिस प्रकार से चाहे अपने उपयोग व उपभोग में लावे और अपना नाम कागजात सरकारी में दर्ज करा लेवे । और जो-जो अधिकार मालिकाना व हस्तान्तरण का चाहे अमल में लावे ।

क्रमश: पेज.....8/-

क्रम सं. 2710

टंकण कर्ता लिपिक

मिलान कर्ता लिपिक

INDIA NON JUDICIAL

भारत

५000रु.

Rs 5000

पाँच हजार रुपये

FIVE THOUSAND RUPEES

13 AUG 2005

(08)

अगर जायदाद विक्रीत प्रथमपक्ष विक्रेतागण के मिल्कियत में किसी भी नुक्स के कारण द्वितीयपक्ष क्रेता के कब्जा व दखल से निकल जावे, जिससे कि द्वितीयपक्ष क्रेता का नुकसान होवे तो द्वितीयपक्ष क्रेता को अधिकार होगा कि अपनी कुल नुकसान मय खिसारा को हम प्रथमपक्ष विक्रेतागण से एवं हमारे वारसान व कायम मुकामान के जात व जायदाद से हर किस्म से जिस तरह पर चाहे वसूल कर लेवे इसमें ह. प्रथमपक्षगण को या हमारे वारसान व कायम मुकामान को कुछ उज्र व एतराज न होगा।

क्रमश: पेज.....9/

स्टाम्प संख्या——2710

प्रिंट कर्ता लिपिक..........

मिलान कर्ता लिपिक..........

स० जि० [illegible]

Rita Bagga

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रू. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

8 ... 2003

(09)

लिहाजा हम प्रथमपक्षगण ने अपने-अपने राजी व खुशी से बिला किसी दबाव नाजायज के अपने-अपने होश व हवास में यह विक्रय पत्र आज की तारीख में बहक व बनाम द्वितीयपक्ष दस्तावेज हाजा के आज की तारीख में लिख दिया कि प्रमाण रहे और समय पर काम आवे ।

क्रमशः पेज·····10/-

वसीका संख्या — 9710

इन्द्राज बही लिपिक —

मिलान बही लिपिक —

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(10)

ब्योरा जायदाद विक्रीत
====================

आराजी भुमिधारी नं० 15 स्थित मौजा धनुहा प० अरैल त० करछना जिला इलाहाबाद का अर्धभाग यानी 1/2 भाग जानिब दक्खिन तादादी । बीघा 4-1/2 बिस्वा 7-1/2 धुर जो कि संलग्न नक्शे में लाल रंग से दर्शाया गया है मुबैया ।

क्रमशः पेज····11/-

दफ्तर संख्या 2712

इंद्राज कर्ता लिपिक..........

मिलान कर्ता लिपिक..........

25 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. | Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

ब्योरा जायदाद विक्रीत
====================

आराजी भूमिधारी नं0 15 स्थित मौजा धनुहा प0 अरैल त0 करछना जिला इलाहाबाद का अंशभाग यानी 1/2 भाग जानिब दक्खिन तादादी 1 बीघा 4-1/2 बिस्वा 7-1/2 धूर जो कि संलग्न नक्शे में लाल रंग से दर्शाया गया है मुबैया ।

क्रमशः पेज.....11/-

[illegible] संख्या ---- 2710

इंदराज कर्ता लिपिक..........

मिलान कर्ता लिपिक..........

1000 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१००० रु.   Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हज़ार रुपये   ONE THOUSAND RUPEES

चौहद्दी :
========

पूरब - जी० टी० रोड ।

पश्चिम - जमुना साइड ।

उत्तर - बकिया आराजी श्री दीपक बग्गा, श्रीमती रीतू बग्गा, व श्री अर्जुन बग्गा ।

दक्षिण - श्री सुन्दर लाल की जमीन ।

क्रमशः पेज.....12/-

क्रम संख्या ....

तैयार कर्ता लिपिक ....

मिलान कर्ता लिपिक ....

291 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०००रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(12)

ब्यौरा जायदाद विक्रीत के कीमत के अदायगी का

===

(1) मु0 2,00,000/- (दो लाख) रु0 जरिये चेक नं0 386716 दि0 6.2.2003 पंजाब सिन्ध बैंक, शाखा मुट्ठीगंज का जर बयाने में पूर्व में प्राप्त कर लिया है।

(2) मु0 2,00,000/- (दो लाख ~~पचास-हजार~~) रु0 जरिये चेक ~~बैंकर्स के आर्डर~~ नं0 386719 दि0 20.9.2003 पंजाब सिन्ध बैंक इलाहाबाद का आज समक्ष सब रजिस्ट्रार करछना विक्रय पत्र के रजिस्ट्री के समय प्राप्त किया।

(3) मु0 50,000/-रु0 जरिये बैंकर्स चेक ...257 दि0 23-9-03 पंजाब सिन्ध बैंक को आज प्राप्त किया।

क्रमशः पेज.....।3

301 1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२०००रु. Rs.1000

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

(13)

नोट :- प0 12 के ला0 6 में (बैन्कर्स ड्रा आर्डर) कटा है : व पचास हजार ।

दिनांक : 25.9.'03

ह0 प्रथमपक्ष/विक्रेतागण

मशविदाकर्ता :

टाईपकर्ता :

ह0 द्वितीयपक्ष /क्रेता

गवाह :

गवाह :

2710

SITE PLAN OF PART OF A. NO. 15 SITUATE AT DHANUA

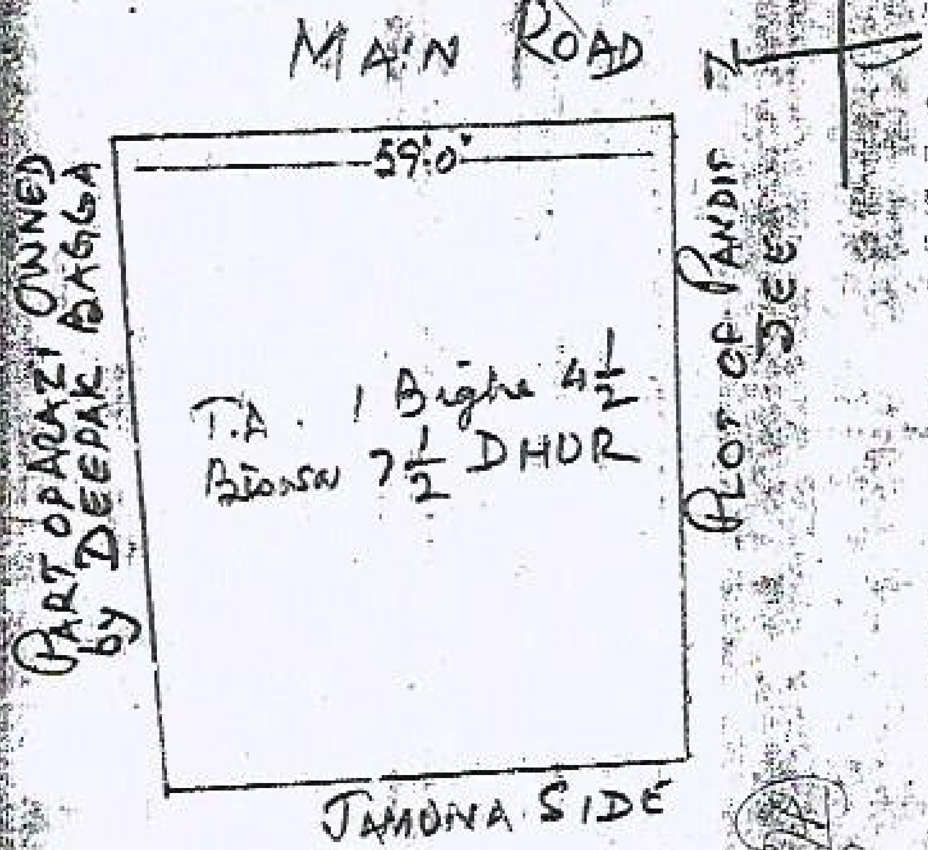

2710

9000/0

सं० ----
लिपिकी ----
ह० ----

25/1/03

277
304

3820
5010